छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त ना हो जाए

स्वामी विवेकानंद युवा कौशल सेतु

(An initiative of CSVTU for Skill Development)

CSVTU Old Campus
North Park Avenue
Sector - 8, Bhilai
Chhattisgarh, 490009

Phone : 9893588733
E-mail : svyksetu@gmail.com
svyks.info@gmail.com
Website: www.svyks.in

स्वामी विवेकानंद युवा कौशल सेतु

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय, भिलाई

के अंतर्गत कौशल विकास योजना

स्वामी विवेकानंद युवा कौशल सेतु

स्वामी विवेकानंद जी की जयंती तथा युवा दिवस के शुभ अवसर पर

दिनांक 12 जनवरी 2019

को इस योजना का शुभारम्भ CSVTU कैम्पस में

छत्तीसगढ़ राज्य के माननीय मुख्यमंत्री

"श्री भूपेश बघेल जी"

के द्वारा किया गया

विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. एम. के. वर्मा जी की अध्यक्षता में संपन्न हुए इस कार्यक्रम में
श्री ताम्रध्वज साहू जी (माननीय गृह मंत्री - छत्तीसगढ़ शासन)
श्री उमेश पटेल जी (माननीय उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री - छत्तीसगढ़ शासन)
श्री कवासी लखमा जी (माननीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री - छत्तीसगढ़ शासन)
श्री मोहन मरकाम जी (माननीय विधायक कोंडागांव)
श्री देवेन्द्र यादव जी (माननीय विधायक भिलाई नगर)

की भी गरिमामय उपस्थिति रही

योजना का उद्देश्य

छत्तीसगढ़ राज्य में युवाओं का बहुत बड़ा वर्ग अनौपचारिक प्रणाली (Informal System) से कौशल प्राप्त करते हैं | अनौपचारिक प्रणाली से कौशल एवं ज्ञान प्राप्त करने का तात्पर्य ऐसी प्रणाली से है - जिसमें व्यक्ति किसी प्रकार का कौशल, प्रचलित शिक्षा प्रणाली अर्थात विद्यालय अथवा विश्वविद्यालय इत्यादि से ना सीखकर ऐसे स्थानों से अर्जित करता है जो उसे उसके स्थानीय स्रोतों अथवा कार्यस्थल से प्राप्त होता है |

उदाहरण के तौर पर अपने परिवार से परंपरागत कौशल सीखना, कार्यस्थल पर कार्य करते हुए कौशल प्राप्त करना, किसी प्रशिक्षण संस्थान से जुड़कर किसी तरह का कौशल प्राप्त करना इत्यादि | अनौपचारिक प्रणाली व्यवस्थित, सुनियोजित तथा संस्थागत नहीं होती है, इन्हीं मुख्य कारणों से इस प्रणाली से प्राप्त कौशल की मान्यता स्थापित नहीं हो पाती तथा शासन द्वारा मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र भी प्राप्त नहीं हो पाता है|

ऐसे वर्ग को चिन्हांकित करते हुए तथा सीधे मूल्यांकन व प्रमाणीकरण प्रणाली से जोड़ते हुए, कौशल का मूल्यांकन कर सफल युवाओं को प्रमाणित करने की आवश्यकता है|

इस हेतु "छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (CSVTU)" द्वारा अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए औपचारिक शिक्षा प्रणाली के साथ ही साथ अनौपचारिक प्रणाली अंतर्गत "स्वामी विवेकानंद युवा कौशल सेतु (SVYKS)" के माध्यम से कौशल प्रमाणन की योजना बनाई है | "स्वामी विवेकानंद युवा कौशल सेतु अनौपचारिक रूप से कुशल" व्यक्तियों के कौशल प्रमाणन हेतु मंचस्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय की एक पहल है, जो सभी को उनके पहले से सीखे कौशल (Recognition of prior learning, RPL) का प्रमाणन कर प्रमाणपत्र प्रदान कर सकेगी|

CSVTU द्वारा यह देश मे अपने तरह की प्रथम पहल है, जो कि राष्ट्रीय अर्हता कौशल फ्रेमवर्क (National Skill Qualification Framework, NSQF) अधिसूचना भारत के गजेटियर भाग I, खण्ड 2 संख्या 19 नयी दिल्ली शुक्रवार (27 दिसंबर 2013) के अनुसार निर्देशित विभिन्न कौशल एवं शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण मानकीकरण व अंतर्राष्ट्रीय समतुल्यता वैश्विक प्रमाणन की सर्वमान्य स्वीकारिता के अनुरूप है|

सामाजिक स्तर पर इस योजना का महत्व

- **"स्वाभिमान का उद्गम"**
  गर्व से वह कह पायेंगे अब हम अशिक्षित व अकुशल नहीं बल्कि अपने क्षेत्र में कौशल कुशल प्रमाणिक व्यक्ति हैं
- **"समरूपता का भाव"**
  अब ना कहलायेगा वह अशिक्षित व अकुशल बल्कि कहलायेगा प्रमाणिक कौशल कुशल

  यह समाज में "अशिक्षित व अकुशल – पढ़ा लिखा" यह भाव खत्म करते हुए समरूपता का भाव जागृत करने में भी सहायक सिद्ध होगा
- अनौपचारिक प्रणाली गैर परंपरागत प्रशिक्षण संस्थानों को प्रशिक्षण प्रदान करने का सामर्थ्य तो देती है किंतु प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को अधिकृत प्रमाण पत्र प्रदान करने में असमर्थ है, जिससे प्रतिभावान व योग्य व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर कम हो जाते हैं| अत: विश्वविद्यालय की इस योजना से उपरोक्त समस्याओं के समाधान हेतु नए मार्ग प्रशस्त हो पाएंगे |
- अनौपचारिक प्रणाली के प्रशिक्षण संस्थान या स्वयं प्राप्त कौशल को व्यक्ति सीधे इस योजना के माध्यम से CSVTU अधिकृत परीक्षा केंद्र में प्रतिभागी बनकर व सफल होने पर छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (CSVTU)से प्रमाण पत्र प्राप्त कर पाएँगे |

RPL के लाभ

1 व्यक्ति को उनके कौशल व योग्यतानुसार उचित मानदेय मिल पायेगा |

स्वरोजगार प्रारंभ करने हेतु बैंक व अन्य वित्तीय संस्थानों से लोन, मुद्रा लोन, अनुदान इत्यादि प्राप्त करना सरल होगा | 2

3 कार्यस्थल पर आकस्मिक दुर्घटना होने पर पीड़ित कर्मचारी को मुवावजे की सही राशि मिल पाएगी |

शासन की बहुत सी हितग्राही मूलक योजना का लाभ वह ले पायेंगे | 4

5 शासकीय व अन्य प्रतिष्ठित कंपनियों मे रोजगार प्राप्त करने के अवसर बढ़ जायेंगे |

पहले से सीखे हुए कौशल द्वारा अर्जित कौशल के प्रमाणन से उच्च कौशल व ज्ञान प्राप्त करने के नए मार्ग प्रशस्त होंगे | 6

कौशल विकास के संदर्भ में वर्तमान स्थिति

2022 हेतु निर्धारित लक्ष्य -

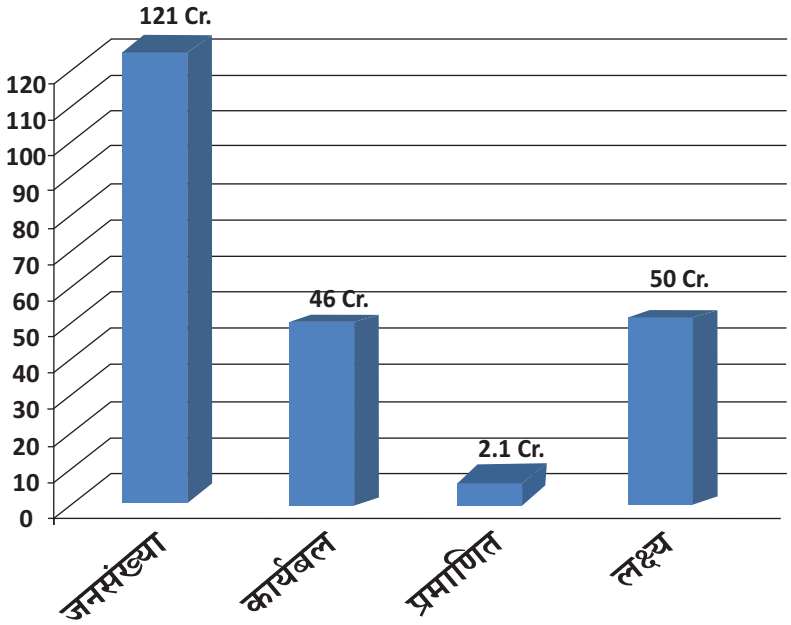

राष्ट्रीय स्तर पर

जनसंख्या - 121 करोड़
(2011 की राष्ट्रीय जनगणना के अनुसार)

कार्यबल - 46 करोड़
वर्तमान में प्रमाणित व्यक्तियों की संख्या - 2.1 करोड़ (लगभग)

राष्ट्रीय लक्ष्य - 50 करोड़

राज्य स्तर पर (छत्तीसगढ़ के संदर्भ में)

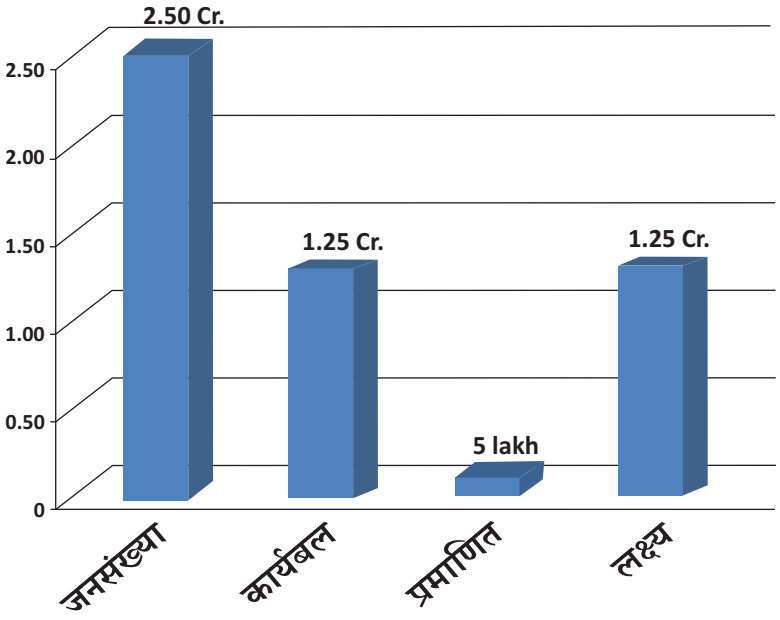

जनसंख्या - 2.5 करोड़
(2011 की राष्ट्रीय जनगणना के अनुसार)

कार्यबल - 1.25 करोड़
वर्तमान में प्रमाणित व्यक्तियों की संख्या - 5 लाख

राज्य का लक्ष्य - 1.25 करोड़

छत्तीसगढ़ देश का प्रथम राज्य है जिसने अपने युवाओं को कौशल प्राप्ति का अधिकार प्रदान किया है |

राष्ट्रपति भवन में RPL का आयोजन

President's Secretariat
Rashtrapati Bhavan
सत्यमेव जयते

Smart Rashtrapati Bhavan

Introduction

A number of initiatives have been taken during the thirteenth Presidency to make the Rashtrapati Bhavan Estate a model township. It includes preservation of heritage, introduction of recreational and sports facilities, efficient management of security, water, energy and waste disposal systems, improvement of infrastructure, and creation of new facilities like sewage treatment plant, studio apartments, residential blocks, a ceremonial hall and an AYUSH Wellness Centre. When the idea of transformation of the Estate was first presented to the President of India, he gave a clear direction that we should fashion this Estate as a 3'H township that is Humane, Hi-tech and Heritage Township. Taking this forward, a value-driven governance model based on the core civilizational values of compassion and service to others was developed. This model seeks happiness to come not necessarily from material well-being but from following the highest principles of human existence like compassion, harmony and a spirit of service. Such initiatives at Rashtrapati Bhavan relate to pre-school children (*Sanskar*), specially-abled children (*Sparsh*), children in the 7-14 years' age group (*Sanskriti*) and senior citizens (*Samagam*), together called the 4'S initiative. There are other initiatives relating to holistic healthcare and education; modernization of the Dr. Rajendra Prasad Sarvodaya Vidyalaya (which is located in the Estate); skill development; housing; animal care; e-initiatives, cultural programmes, and appreciation of art and history. These all have enhanced the quality of life of the residents of the Estate.

Education and Skill Development

A Public Library for use by residents and their children has been opened.

Digital Literacy Programme called 'Shakti' was launched on Nov 20, 2013 in association with Google to empower women in the field of education, information, internet, communication, finance, etc.

Recognition of prior learning (RPL) under the Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana is being implemented in RB under which more than 1500 contractual and regular employees in 20 skill categories are being trained, assessed and certified. The aim of the project is to ensure that all the semi-skilled and skilled employees in RB are certified of their skills.

Rashtrapati Bhavan employees get trained under PMKVY

1,500 employees of Rashtrapati Bhavan have been roped in for the undergoing training under the programme, out of which 900 completed their training.

PTI | Updated: May 14, 2016, 06.06 PM IST

Save

0 Comments

President Pranab Mukherjee and team NSDC along with its training partners who successfully delivered on the RPL certification of the 900 employees of Rashtrapati Bhawan under PMKVY at Rashtrapati Bhawan, in New Delhi.

NEW DELHI: A total of 900 Rashtrapati Bhavan employees today got certified under the Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY) across 18 job roles, as part of a programme being implemented by the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship.

President Pranab Mukherjee met the employees who completed their training at Rashtrapati Bhavan here.

In all, 1,500 employees of Rashtrapati Bhavan have been roped in for the undergoing training under the programme, out of which 900 completed their training and got certified today.

The job roles include gardeners, drivers, room attendants, housekeeping, electrical works, plumbers, carpenters, painters, security guards, office assistants, data entry operators, cooks and laundry men, among others.

"We are grateful to President Pranab Mukherjee for letting us conduct Recognition of Prior Learning (RPL) for the employees at his residence. We hope this will inspire many other organisations in government and industry to get skill certification of their workforce done," Union Minister for Skill Development and Entrepreneurship Rajiv Pratap Rudy said.

Recognition of Prior Learning (RPL) is a process to evaluate skills and knowledge acquired outside the classroom for the purpose of recognising competencies against a given set of standards or learning outcomes.

It is practiced for a variety of purposes, for example an individual's standing in a profession, trade, qualifications, academic achievement, recruitment, performance management, career and succession planning.

The programme began on April 11 and will continue till May 31, 2016. Various Sector Skill Councils and affiliated Training Partners in the National Skill Development Corporation (NSDC) ecosystem are involved in the process.

"It has been a very humbling exercise for us to train, induct and certify people under RPL who have been working at Rashtrapati Bhawan, some of them for 20-30 years now, in their respective job roles," NSDC CEO Jayant Krishna said.

PMKVY was introduced by the government in 2015. The scheme has a target to cover 24 lakh people with training of 14 lakh fresh entrants and certification of 10 lakh persons under Recognition of Prior Learning.

राष्ट्रपति भवन में RPL का आयोजन

कौन लाभ प्राप्त कर सकता है ?

SWAMI VIVEKANAND YUVA KAUSHAL SETU

Car Mechanic

Auto Mechanic

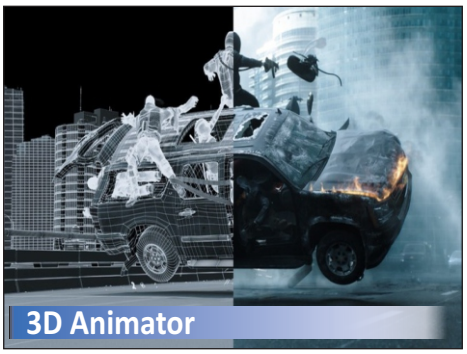
3D Animator

CCTV Technician

Dairy Workers

Crane Operator

Bastar Art Worker

Construction Worker

BPO Associate

Beauty Therapist

Courier Boy

Bamboo Craft

कौन लाभ प्राप्त कर सकता है ?

SWAMI VIVEKANAND YUVA KAUSHAL SETU

Home Delivery Agent

Plumber

Telecom

Handloom Weaver

Security Guards

Salon Worker

Wood Carving

Sericulture Farmers

Solar Panel

Tiller

Yoga Trainer

Logistics Associate

कौन लाभ प्राप्त कर सकता है ?

SWAMI VIVEKANAND YUVA KAUSHAL SETU

Digital Seva Associate

Electrician

E-Rikshaw Driver

Garment Maker

Excavator Operator

Fitness Trainer

Food Processing

Handicraft Artists

Embroidery Worker

Driver

DTH Mounting Engineer

Flour Mill Operator

कौन लाभ प्राप्त कर सकता है ?

SWAMI VIVEKANAND YUVA KAUSHAL SETU

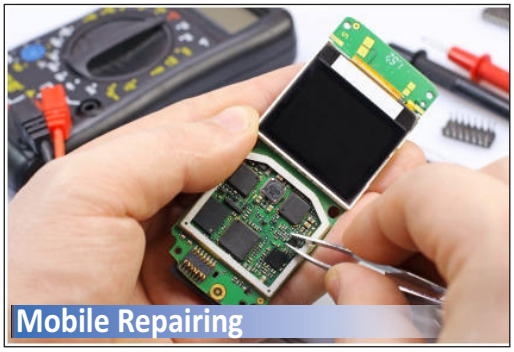
Mobile Repairing

Power Line Workers

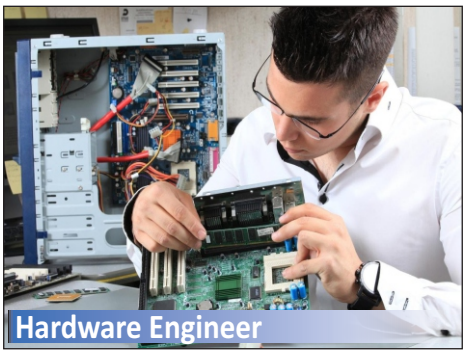
Hardware Engineer

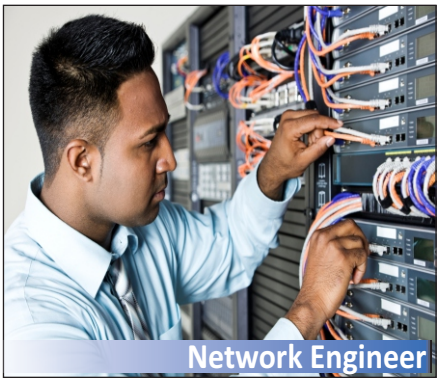
Network Engineer

Mat Weaver

Iron & Steel Workers

Mining Workers

Honey Processing Workers

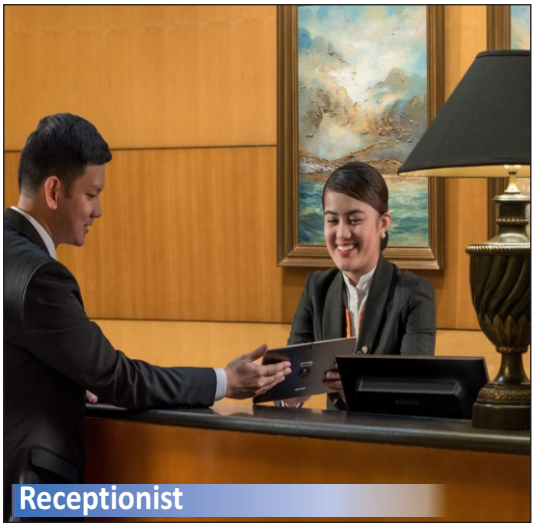
Receptionist

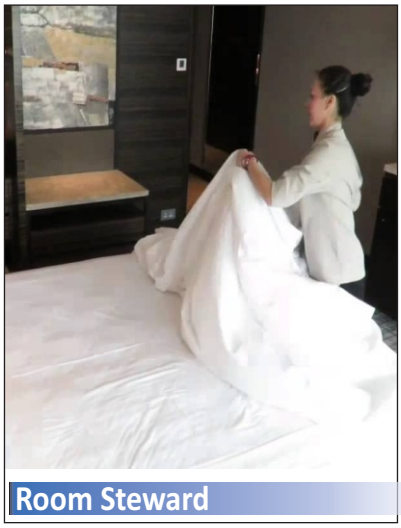
Room Steward

Pickle Makers

Pharmacy Assistant

NSQF क्या है ?

Nation skill Qualification Framework

राष्ट्रीय कौशल अर्हता अथवा NSQF ज्ञान व कौशल के स्तरों के अनुसार योग्यता निर्धारण मानक है|

NSQF के 10 स्तर होते हैं | जिसमे से स्तर "1" इस प्रणाली में योग्यता का सबसे कम या न्यूनतम स्तर दर्शाता है तथा स्तर " 1 0 " सर्वाधिक योग्यता या उच्चतम स्तर का घोतक है|

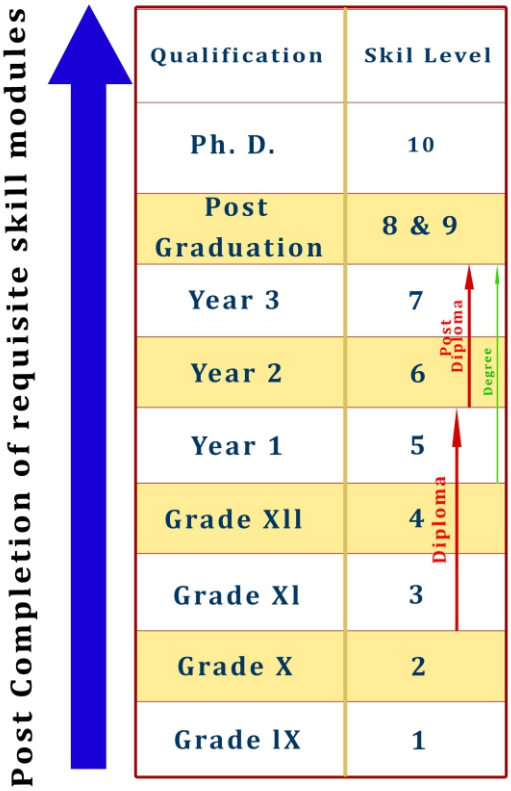

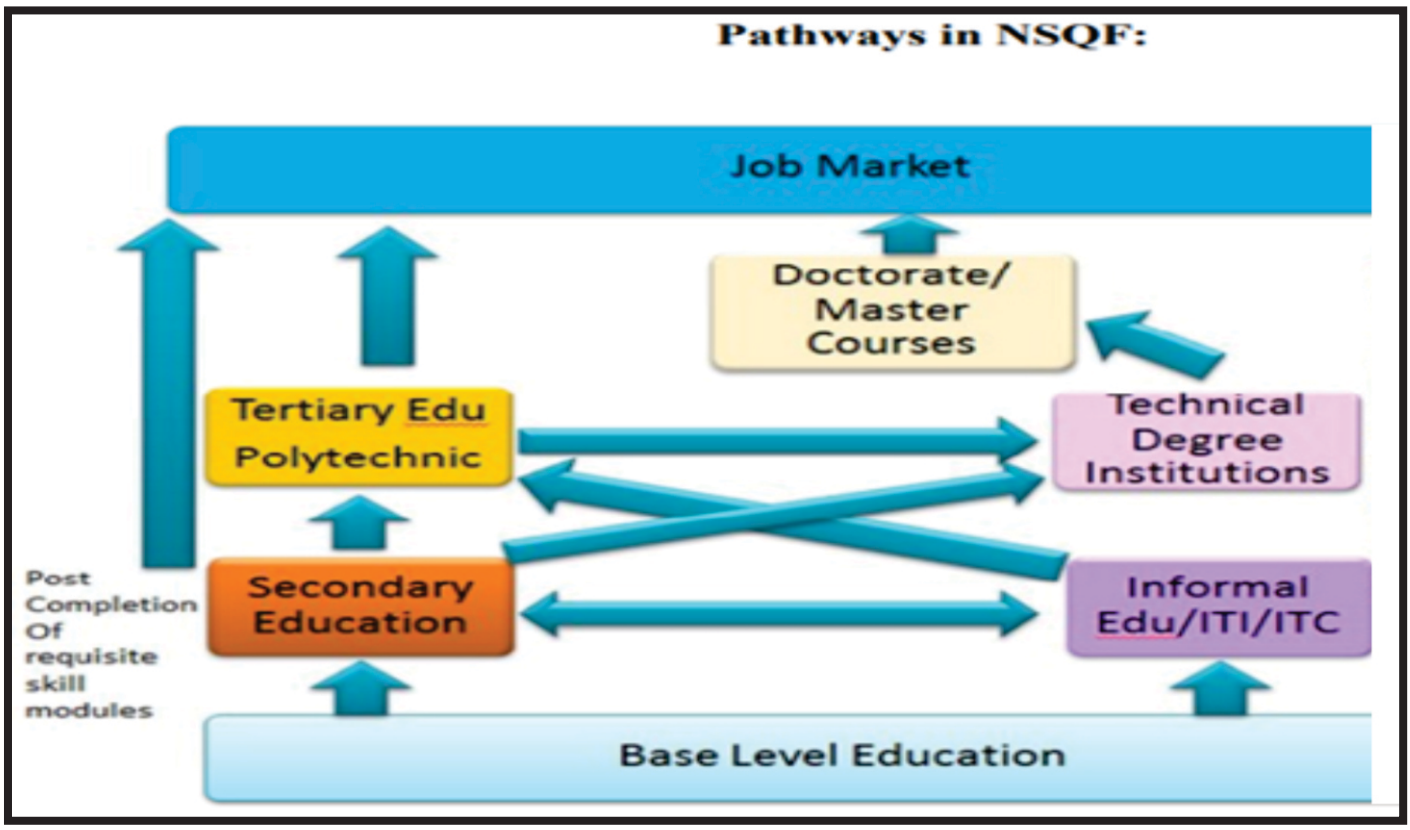

कौशल विकास हेतु प्रमुख सेक्टर

1	Apparel, Madeups & Home Furnishing	19	Earthmoving & Infrastructure Building
2	Media & Entertainment	20	Textiles & Handloom
3	Chemical & Pertrochemicals	21	IT/ITes
4	Automotive	22	Leather
5	BFSI	23	Life Sciences
6	Capital Goods	24	Logistics
7	Construction	25	Mining
8	Domestic Workers	26	Plumbing
9	Management	27	Instrumentation
10	Electronics & Hardware	28	Beauty and Wellness
11	People with Disability	29	Gems and Jewellery
12	Food Processing	30	Power
13	Furniture & Fittings	31	Retail
14	Green Jobs	32	Rubber
15	Handicrafts	33	Security
16	Hydrocarbons	34	Sports
17	Iron and Steel	35	Telecom
18	Strategic Manufacturing	36	Paints & Coatings

पूर्व अर्जित कौशल की मान्यता क्या है ?

[What is Recognition of Prior Learning (RPL)]

RPL किसी व्यक्ति द्वारा अनौपचारिक प्रणाली के माध्यम से पहले से अर्जित कौशल व ज्ञान को मान्यता देने की प्रक्रिया है | इस प्रक्रिया में अर्जित कौशल व ज्ञान का स्रोत अर्थात इसे कब, कहाँ और किस माध्यम से अर्जित किया गया यह महत्वपूर्ण नहीं होता |

सरल शब्दो मे RPL वह प्रक्रिया है जो किसी व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवनकाल में किसी भी माध्यम से पहले से अर्जित कौशल व ज्ञान को प्रमाणित करता है |

RPL किसी भी तरह के कौशल व ज्ञान रखने वाले व्यक्ति को अपने कौशल को अधिकारिक रूप से प्रमाणिक बनाने तथा इसे योग्यता के रूप में मान्यता दिलाने का अवसर प्रदान करती है |

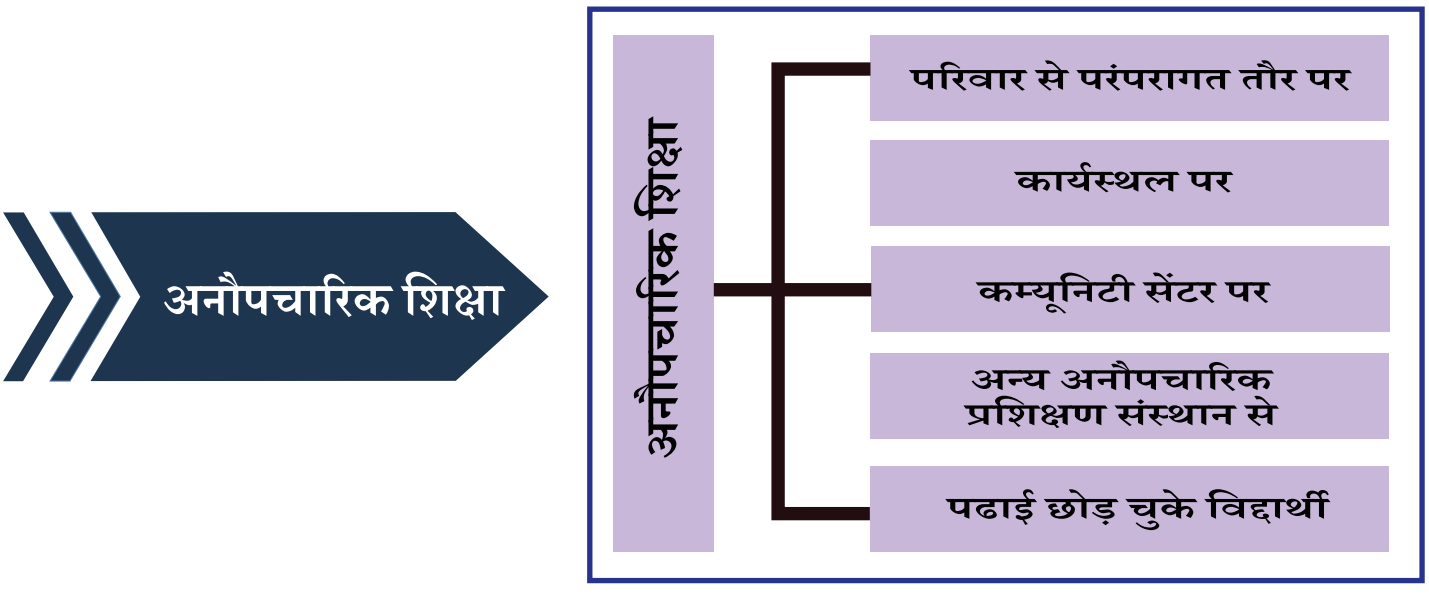

RPL के प्रकार

RPL Centers

यह भौगोलिक रूप से फैले या बिखरे हुये कामगारों हेतु RPL केंद्र है

इस तरह के केंद्र एक निर्धारित स्थान पर स्थापित किए जाते हैं |

RPL हेतु इच्छुक उम्मीदवारों को ऐसे केन्द्रों तक पहुंचना होता है |

इलेक्ट्रीशियन, कंस्ट्रक्शन वर्कर, स्ट्रीट फूड वेंडर्स, टेलर्स इत्यादि |

1

Employer's Premises

इस तरह के कैम्पों की स्थापना व आयोजन उस क्षेत्र में किया जाता है जहाँ वृहद संख्या में किसी कौशल में निपुण व्यक्तियों का समूह होता है तथा उपरोक्त RPL के प्रकारों में से कोई भी उस क्षेत्र में कार्यरत नहीं होता |

ऐसे कैम्प सुदूर क्षेत्रो में अस्थायी तौर पर स्थापित व आयोजित किए जाते हैं|

छत्तीसगढ़ के औद्दोगिक क्षेत्रो व समूहों, विभिन्न निर्माण स्थल, हस्तकला निर्माण क्षेत्र इत्यादि (उदा.-बस्तर, जशपुर,जांजगीर-चांपा इत्यादि)

2

RPL Camps

इसमें मजदूरों / कामगारों को नियोक्ता के स्थान पर ही RPL के माध्यम से प्रमाणित करने की व्यवस्था है |

इस हेतु नियोक्ता के कार्यस्थल पर ही एक केंद्र की स्थापना की जाती है तथा वहाँ कार्यरत मजदूरों / कामगारों को RPL की सुविधा दी जाती है |

विभिन्न शासकीय / निजी क्षेत्र के संस्थान, कार्यालय, कारखाने, इत्यादि |

3

RPL की प्रक्रिया

RPL किसी व्यक्ति के कौशल या ज्ञान का आंकलन करने की एक बहुत ही सरल प्रक्रिया है | मूल्यांकन के अन्य रूपों के विपरीत यह किसी की सक्षमता का आंकलन केवल उनकी शैक्षणिक योग्यताओं के आधार पर नहीं करता है | हालांकि यह प्रक्रिया का एक हिस्सा अवश्य बन सकता है | वास्तव में RPL लोगो को यह प्रदर्शित करने का अवसर देता है की वे विशिष्ट कार्य करने में सक्षम है जो उन्होंने कौशल और ज्ञान के प्रमाण के तौर पर अपने जीवन भर में प्राप्त किया है |

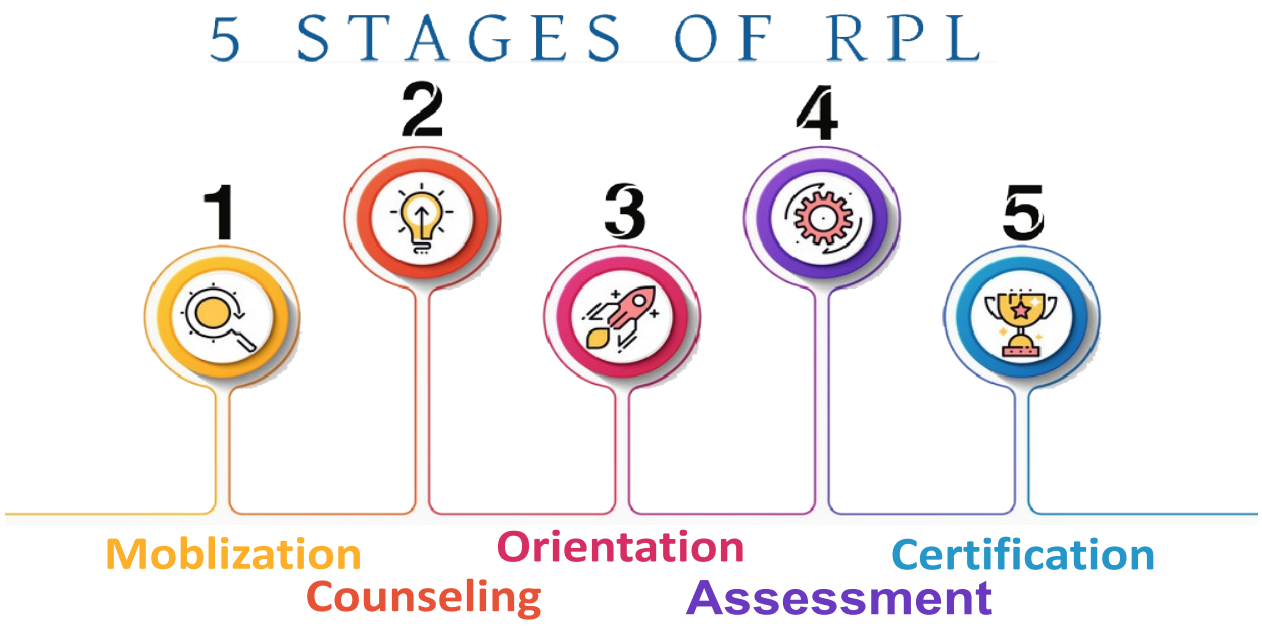

1. संभावित उम्मीदवारों के बीच जागरूकता बढ़ाने और उन्हें RPL केन्द्रो तक पहुंचाने की गतिविधि है |
2. उम्मीदवार द्वारा सही पाठ्यक्रम के चुनाव हेतु काउंसलिंग के पश्चात् पंजीकरण की प्रक्रिया है |
3. इसमें चुने हुये कौशल तथा उसकी एसेसमेंट प्रक्रिया से सम्बंधित 12 घंटे का ओरिएंटेशन प्रशिक्षण शामिल है |
4. एसेसमेंट में किसी व्यक्ति के कौशल का मूल्यांकन करने की गतिविधियों की श्रृंखला शामिल है |
5. एसेसमेंट के पश्चात सफल उम्मीदवारों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाना

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के विषय में

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (CSVTU), छत्तीसगढ़ राज्य का शासकीय विश्वविद्यालय है, जो 21 जनवरी 2005 को एक विश्वविद्यालय और प्रौद्योगिकी को शामिल करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है, जो अनुसंधान, स्नातकोत्तर डिग्री, डिप्लोमा, आर्किटेक्चर, फार्मेसी सहित इंजीनियरिंग और तकनीकी विषयों में व्यवस्थित, कुशल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है।

वर्ष 2005 में अपनी स्थापना के बाद से विश्वविद्यालय राज्य और राष्ट्र की सेवा के लिए अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए देश के प्रमुख विश्वविद्यालयों में से एक के रूप में उभरने के लिए प्रतिबद्ध है। इसका उद्घाटन 30 अप्रैल 2005 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह द्वारा किया गया था। पूर्ण विकसित बुनियादी ढांचे के विकास की प्रतीक्षा किए बिना विश्वविद्यालय ने समाज के लाभ के लिए अनुसंधान, विकास और बाहरी कार्यक्रमों की सीमा क्षेत्र की पहचान करना शुरू कर दिया। इस दृष्टिकोण के साथ विश्वविद्यालय द्वारा पिछले 5 वर्षों के दौरान कई शैक्षणिक कार्यक्रमों, सेमिनारों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन किया गया है।

वर्तमान में 44 इंजीनियरिंग कॉलेज, 1 आर्किटेक्चर संस्थान, 40 पॉलिटेक्निक और 11 फार्मेसी कॉलेज विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए गए विभिन्न सुधारकारी उपायों के लिए 30 दिसंबर, 2011 को नई दिल्ली में आयोजित 'विश्व प्रबंधन कांग्रेस' - उच्च शिक्षा और विकास शिखर सम्मेलन में "Emerging Technological University of the Year" पुरस्कार प्रदान किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्यमंत्री इस सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की है - जिसने वास्तव में शैक्षणिक मानकों के उन्नयन के वर्तमान चुनौतीपूर्ण परिदृश्य में विश्वविद्यालय की दृश्यता में वृद्धि के लिए एक और नया आयाम जोड़ा है।